By SATYABHAMA CHANDRA
Department of Psychology
APSM College, Begusarai
LNMU, Darbhanga, Bihar.

B.A - III (H) Paper - VI th Date — 26/04/21

Topic — The Classical Era

(c) मैक्स वेबर का योगदान :- संरचनात्मक सिद्धांत

→ जर्मनी के समाजशास्त्री मैक्स वेबर ने अधिकार संरचना पर बल दिया। उन्होंने संगठनात्मक क्रिया को अधिकारी संबंधों पर आधारित माना।

वेबर ने एक आदर्श प्रकार के संगठन को नौकरशाही के नाम से पुकारा। उन्होंने इस बात को स्वीकारा कि एक आदर्श नौकरशाही वास्तव में है ही नहीं; परन्तु वास्तविक संसार के एक चयनात्मक पुनर्निर्माण का प्रतिनिधित्व करता है। उनका यह सिद्धांत कई संगठनों के लिए आदर्श प्रारूप बन गया।

वेबर की आदर्श नौकरशाही की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :—

(i) कार्य विशिष्टीकरण → कार्यों को सरल, नियमित तथा स्पष्ट रूप से परिभाषित खण्डों में ~~विभ~~ विभाजित होना चाहिए।

(ii) अधिकार श्रृंखला → कार्यालयों या पदों को श्रेणीबद्ध रूप से संगठित किया जाना चाहिए। प्रत्येक निम्न श्रेणी के लोगों का नियंत्रण उच्च श्रेणी के द्वारा किया जाना चाहिए।

Scanned by TapScanner

Page No:
Date:

(iii) औपचारिक चयन → सभी संगठनात्मक सदस्यों के चयन का आधार प्रशिक्षण, शिक्षा एवं औपचारिक परीक्षा द्वारा प्राप्त तकनीकी योग्यताओं होना आवश्यक है।

(iv) औपचारिक नियम एवं अधिनियम → एकरूपता लाने तथा कर्मचारियों की क्रियाओं को नियंत्रित एवं नियमन करने के लिए मैनेजरों को औपचारिक संगठनात्मक नियमों का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए।

(v) अव्यक्तित्व → संगठन के नियमों का उपयोग सभी कर्मचारियों पर समान रूप से होना तथा कर्मचारियों को व्यक्तिगत बातों को बचना चाहिए।

(vi) जीविक दिशा विन्यास → मैनेजर अपनी इकाइयों में व्यवसायिक पदाधिकारी होते हैं, मालिक नहीं। वे निश्चित वेतन पर काम करते हैं और संगठन में अपनी जीविका की खोज में रहते हैं। इस वास्तविकता की चेतना संगठन के प्रत्येक मैनेजर में रहना आवश्यक है।

To be continue! . . .

Satyasheel
26/04/21